M.A. Semester-I Examination 2016
Hindi
Course - I
छायावादी काव्य

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) विश्व की दुर्बलता बल बने, पराजय का बढ़ता व्यापार
हँसाता रहे उसे सविलास शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युत्कण, जो व्यस्त विकल विखरे हैं, हो निरुपाय;
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय।

(ख) मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!

(ग) अये एक रोमाञ्च तुम्हारा दिग्भू कम्पन;
गिर गिर पड़ते भीत पक्षि पोतों-से उड्डगन;
आलोड़ित अम्बुधि फेनोन्नत कर, शत शत फन,
मुग्ध भुजंगम-सा इंगित पर करता नर्तन!
दिक् पिंजर में बद्ध, गजाधिप सा विनताानन।

(घ) दुखव्रती निर्माण उन्मद
यह अमरता नापते पद
बाँध देंगे अंक संसृति
से तिमिर में स्वर्ण बेला।

2. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×12=24

(क) 'कामायनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालिए।

(ख) निराला की 'राम की शक्तिपूजा' की काव्यगत विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(ग) महादेवी के गीतों में करुणा और वेदना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(घ) पंत को सुकुमार कवि क्यों कहा जाता है? पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।